सामान्य प्रतिभागियों द्वारा आलेख प्रस्तुति –दसवां विश्व हिन्दी सम्मेलन, भोपाल

विगत सम्मेलनों में प्रचलित परंपरा के अनुसार दसवें विश्व हिन्दी सम्मेलन में भी इच्छुक प्रतिभागियों के लिए आलेख प्रस्तुति की व्यवस्था की गई है।चयनित आलेखकर्ताओं से निवेदन है कि आप आलेख-प्रस्तुति के लिए राजेन्द्र माथुर सभागार, माखनलाल चतुर्वेदी नगर, लाल परेड मैदान, भोपाल पधारें । आपसे निवेदन है कि समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए आप अपनी आलेख-प्रस्तुति को 7-10 मिनट तक सीमित रखें।

आलेख-प्रस्तुति का विषयवार ब्यौरा और समय-सूची नीचे दर्शाई गई है :-

बृहस्पतिवार 10 सितंबर, 2015

प्रथम सत्र: 1200-1330 बजे

आलेखकर्ता		**विषय/आलेख**
1. श्री सुस्मित सौरभ	-	हिन्दी जगत: विस्तार एवं संभावनाएं
2. डॉ. रेनू रानी शुक्ला	-	प्रशासन में हिन्दी
3. डॉ. टी श्रीनिवासुलू	-	विज्ञान में हिन्दी
4. श्री अशोक कुमार बिल्लूरे	-	हिन्दी में विज्ञान लेखन: इसरो का विशेष संदर्भ
5. प्रो. रमेशचन्द्र त्रिपाठी	-	हिन्दी और विज्ञान का अंतर-संबंध
6. डॉ. राज नारायण अवस्थी	-	अनुप्रयुक्त विज्ञान अनुवाद: हिन्दी का विस्तार
7. श्री दीपक कुमार पाण्डेय	-	हिन्दी में विज्ञान लेखन: समस्या एवं समाधान

बृहस्पतिवार 10 सितंबर, 2015

द्वितीय सत्र : 1500-1630 बजे

आलेखकर्ता		**विषय/आलेख**
1. श्री धर्मेन्द्र प्रताप शुक्ल	-	सूचना प्रौद्योगिकी में हिन्दी
2. डॉ. प्रणव शर्मा	-	सूचना प्रौद्योगिकी में हिन्दी
3. डॉ. संतोष कुमार बघेल	-	भूमंडलीकरण, सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी
4. डॉ. गंगाप्रसाद शर्मा'गुणशेखर'	-	सूचना प्रौद्योगिकी और आर्थिक वैश्विकरण के नव-उदारवाद की हिन्दी
5. सुश्री सीमा देब वर्मा	-	हिन्दी जगत में डिजिटल का प्रभाव
6. डॉ. कुसुम खेमानी	-	मीडिया में हिन्दी
7. प्रो॰ राम द्विवेदी	-	जापान में हिन्दी शिक्षण: सोशल मीडिया की भूमिका

शुक्रवार, 11 सितंबर, 2015

तृतीय सत्र : 1000-1130 बजे

आलेखकर्ता		**विषय/आलेख**
1. डॉ. साएमा बानो	-	हिन्दी के विस्तार में हिन्दी-उर्दू भाषाई सह-संबंध की भूमिका
2. डॉ. पी लता	-	गैर-हिन्दी राज्यों में हिन्दी (केरल में हिन्दी का विशेष संदर्भ)
3. श्री केशव प्रथमवीर	-	महाराष्ट्र में हिन्दी का प्रचार-प्रसार: पुणे की भूमिका
4. डॉ. सुशील चौधरी	-	गैर-हिन्दी राज्यों में हिन्दी: पूर्वोत्तर भारत (असम, मेघालय, मणिपुर नागालैण्ड और त्रिपुरा) का हिन्दी के विकास में योगदान
5. डॉ. के श्रीलता	-	गैर-हिन्दी राज्यों में राजभाषा की वर्तमान स्थिति एवं विकास की दिशा
6. डॉ. के वी कृष्णमोहन	-	गैर-हिन्दी राज्यों / दक्षिण भारत में हिन्दी प्रचार एवं प्रसार

शुक्रवार, 11 सितंबर, 2015

चतुर्थ सत्र : 1200-1330 बजे

आलेखकर्ता	**विषय/आलेख**
1. सुश्री ऋतिका शर्मा -	विदेशों में बढ़ते हिन्दी के कदम
2. प्रो. (डॉ.) एस.तंकमणि अम्मा -	गिरमिटिया देशों में हिन्दी: सूरीनाम का विशेष संदर्भ
3. सुश्री सविता कोल्हे -	पत्रकारिता में गिरमिटियों के लिए हिन्दी एक मिसाल
4. डॉ. सी एच चन्द्रैय्या -	हिन्दी पत्रकारिता में भाषा की शुद्धता
5. डॉ. सुशीला गुप्ता -	हिन्दी पत्रकारिता में भाषा की शुद्धता
6. श्री अभिषेक सिंघल -	हिन्दी पत्रकारिता में भाषा की शुद्धता : अशुद्धियां बनाम भाषा की प्रवाहशीलता
7. प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा -	हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार में भाषा की शुद्धता (बदलते भाषागत आयाम और कारक तत्व)